Metro News
20.11.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	नई दुनिया सिटी	इंदौर	20.11.2023	01	ऐसी होगी हमारी मेट्रो.. दिव्यांगों की अंगुलियों पर लगाएगी दौड़	Neutral

इंदौर, सोमवार, 20 नवंबर, 2023

नईदुनिया सिटी

Pg-I

ऐसी होगी हमारी मेट्रो... दिव्यांगों की अंगुलियों पर लगाएगी दौड़...

मेट्रो के स्टेशन से लेकर अन्य तमाम जगहों पर लगाई जाएंगी ब्रेल लिपि की पट्टिकाएं ताकि दृष्टिहीन लोग भी निर्बाध कर सकें मेट्रो का उपयोग

राघव तिवारी

देश-प्रदेश में शासकीय व्यवस्थाओं पर अक्सर यह सवाल उठता है कि यहां सार्वजनिक सुविधाओं में दिव्यांगजनों का ध्यान नहीं रखा जाता। किंतु इंदौर मेट्रो के मामले में ऐसे सवाल नहीं उठ सकेंगे। दरअसल, इंदौर मेट्रो में दृष्टिहीन दिव्यांगजनों के लिए स्टेशन पर प्रवेश से लेकर कोच तक और कोच से लेकर वापस उतरने तक हर जगह ब्रेल लिपि की पट्टिकाएं लगाई जाएंगी। वहीं अन्य दिव्यांगजनों के लिए रैंप, व्हीलचेयर से आ-जा सकने सहित अन्य सुविधाएं तैयार की जाएंगी। स्वाभाविक है कि इससे इंदौर मेट्रो अधिक लोकतांत्रिक और मानवीय सेवा साबित होगी।

दिव्यांगों ने ज्यादातर क्षेत्रों में अपना परचम लहराकर अपने हौसले की मिसाल दी है। ऐसे में उनकी सुविधाओं को देखते हुए हर दफ्तर, सरकारी भवन, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन आदि में विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। ठीक ऐसी ही व्यवस्था इंदौर मेट्रो में देखने को मिलेंगी। यहां दृष्टिहीन दिव्यांगों के निर्बाध सफर के लिए अनेक सुविधाएं दी जाएंगी। इससे वे इंदौर मेट्रो के सफर में खुद को असहज महसूस नहीं करेंगे। मेट्रो के संचालन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कमिश्नर आफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी (सीएमआरएस) की गाइडलाइन के हिसाब से सभी मेट्रो स्टेशन पर दिव्यांगों की सुविधाओं और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखना जाएगा। 30 सितंबर को मेट्रो का सेफ्टी ट्रायल किया जा चुका है। जल्द ही लोगों को मेट्रो की सुविधा मिलने लगेगी। बताया जाता है कि आर्थिक टीम की बैठक के बाद दिव्यांगों के लिए किराए में कुछ छूट भी दी जा सकती है।

कोच में निर्धारित स्थान- मेट्रो के हर कोच में दिव्यांगों की व्हीलचेयर के लिए एक स्थान निर्धारित किया जाएगा। जहां उनकी व्हीलचेयर ठहरने की व्यवस्था होगी। इस स्थान पर बैठने की रैक नहीं लगेगी।

दृष्टिहीन दिव्यांगों के लिए ये होंगी सुविधाएं

निश्शुल्क व्हीलचेयर
जो दिव्यांग स्टेशन पर कैब या अन्य वाहनों से आएंगे। उनके लिए हर मेट्रो स्टेशन पर व्हीलचेयर की सुविधा उपलब्ध रहेगी। कोच में भी व्हीलचेयर के लिए चौड़ा द्वार रखा जाएगा।

मेट्रो कोच में व्हीलचेयर के लिए जगह।

वेंडिंग मशीन- हर मेट्रो स्टेशन पर टिकट लेने के लिए वेंडिंग मशीन लगाई जाएगी। इनकी ऊंचाई दिव्यांगों के हिसाब से रखी जाएगी। इसके अलावा दिव्यांगों की मदद के लिए वालेंटियर भी रहेंगे।

ब्रेल लिपि- इंदौर मेट्रो के हर स्टेशन, मेट्रो कोच आदि में सूचना पट्टिकाओं में ब्रेल लिपि का प्रयोग किया जाएगा। इससे दृष्टिबाधित लोग इस पट्टिका को स्पर्श करके सूचना हासिल कर सकेंगे। इन पट्टिकाओं में प्रवेश, निकास, स्टेशन की जानकारी, प्लेटफार्म, गंतव्य ट्रेन की जानकारी समेत ज्यादातर जानकारियों को ब्रेल लिपि के माध्यम से लिखने का प्रयास किया जाएगा। लिफ्ट के बटनों में भी ब्रेल लिपि का प्रयोग किया जाएगा।

रैंप- दिव्यांगों को स्टेशन पर पहुंचने में कोई समस्या का सामना न करना पड़े इसके लिए रैंप का निर्माण किया जाएगा। इसमें लिफ्ट तक पहुंचने के लिए रैंप बनाया जाएगा ताकि दिव्यांग अपनी व्हीलचेयर से आसानी से लिफ्ट तक पहुंच सकें।

प्लेटफार्म पर स्पर्श पथ- दृष्टिबाधित लोगों को प्लेटफार्म पर कोई समस्या न हो इसके लिए प्लेटफार्म पर स्पर्श पथ बनाया जाएगा। यह एक तरह की उभरे हुए पत्थर का होगा। यह प्लेटफार्म के पास में समानांतर रूप से बनाया जाएगा। दृष्टिबाधित लोग पैर से ही इस उभरे पत्थर को महसूस कर सकेंगे और प्लेटफार्म पर ही ठहर सकेंगे।

जनसुविधा
सभी मेट्रो स्टेशनों पर दिव्यागों के लिए अलग से जनसुविधा की व्यवस्था रहेगी। इसमें लोअर वाशरूम और टायलेट की सुविधा रहेगी।

मेट्रो स्टेशन पर कुछ इस तरह से बनेंगे दिव्यांगों के लिए वाशरूम

स्मार्ट कार्ड पर ब्रेल लिपि- दृष्टिबाधित लोगों के लिए स्मार्ट कार्ड पर भी ब्रेल लिपि का प्रयोग किया जाएगा ताकि वह कार्ड स्पर्श करके कार्ड नंबर पता कर सके। हालांकि अब सामान्य रूप से भी डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड पर उभरे हुए अक्षरों का प्रयोग किया जाने लगा है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
2	नई दुनिया	इंदौर	20.11.2023	06	भोपाल में लोक चुनाव से पहले शुरू होगी मेट्रो	Neutral

नईदुनिया
इंदौर, सोमवार, 20 नवंबर, 2023
www.naidunia.com
6

भोपाल में लोस चुनाव से पहले शुरू होगी मेट्रो

भोपाल। विधानसभा चुनाव से पहले भोपाल में मेट्रो का ट्रायल रन पूरा हो गया। अब इसके कामर्शियल रन की तैयारी है। इसके लिए प्रायोरिटी कारिडोर का आवश्यक सिविल वर्क पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है, जिससे लोकसभा चुनाव से पहले मेट्रो का कामर्शियल रन भी शुरू किया जा सके। कामर्शियल रन शुरू होने के एक महीने तक यात्रियों से किराया नहीं वसूला जाएगा। -नप्र

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
03	Times of India	Indore	22.11.2023	02	Construction of the metro track at Radisson Square	Neutral

INDORE CITY Pg-02

www.freepressjournal.in INDORE | WEDNESDAY | NOVEMBER 22, 2023

TAKING A TURN

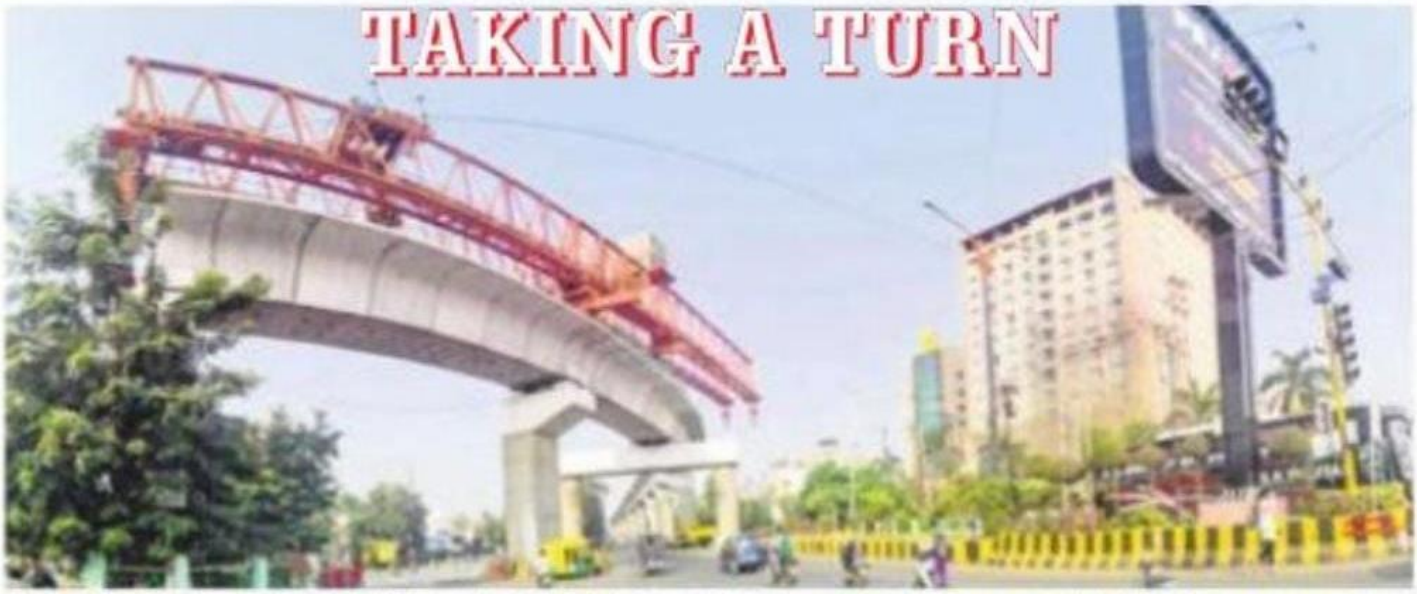

Construction of the metro track at Radisson Square. Pic by Pintu Namdev

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
04	Dainik Bhaskar	Indore	26.11.2023	02	मेट्रो की रफ़्तार: 2026 में 33 किलोमीटर का रिंग पूरा, 2028 के सिं में उज्जैन तक आएगी मेट्रो	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 26-11-2023

दैनिक भास्कर | इंदौर

देश के टॉप 10 शहरों में शामिल हो चुके इंदौर में मेट्रो ट्रेन ने भी तेज रफ्तार पकड़ ली

मेट्रो की रफ्तार : 2026 में 33 किलोमीटर का रिंग पूरा, 2028 के सिंहस्थ में उज्जैन तक जाएगी मेट्रो

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देश के टॉप 10 शहरों में शामिल हो चुके इंदौर में मेट्रो ट्रेन ने भी तेज रफ्तार पकड़ ली है। पिछले दिनों इंदौर में मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन कर लिया गया है। अगले साल अप्रैल-मई से कमर्शियल रन भी शुरू होना तय है। मेट्रो ट्रेन का इंदौर में शुरू होना यहां की ग्रोथ को नई ऊंचाई देगा। पहले करीब साढ़े किलोमीटर का काम लगभग पूरा हो गया है, जिस गति से यहां काम चल रहा है 2026 तक 33 किलोमीटर का पूरा रिंग तैयार होकर मेट्रो का शहरी सफर पूरा हो जाएगा।

17.5 किमी एलिवेटेड कॉरिडोर पर चल रहा है काम

5.9 किमी के कॉरिडोर पर ट्रायल हो चुका

140 मीटर लंबे और 21 मीटर चौड़े एरिया में बन रहा स्टेशन

सरकार ने 2028 में होने वाले उज्जैन सिंहस्थ को देखते हुए इंदौर से उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने का संकल्प ले लिया है। सर्वे सहित अन्य कागजी कार्रवाई भी शुरू हो गई है। उज्जैन ही नहीं महू और पीथमपुर तक भी मेट्रो चलाने पर सहमति बन गई है। यह साकार होते हैं इंदौर, अहमदाबाद, जयपुर और नागपुर जैसे शहरों के साथ कदमताल करता दिखाई देगा। उद्योग, व्यापार, शिक्षा सहित हर क्षेत्र में ग्रोथ मिलेगी। मेट्रो के एमडी मनीष सिंह का कहना है कि गांधीनगर से रेडिसन चौराहा तक काम अगले साल के अंत तक पूरा कर लेंगे। वहां यात्री सेवा शुरू हो जाएगी। अंडरग्राउंड के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है। कोशिश है, 33 किलोमीटर का पहला चरण 2026 अंत तक पूरा हो जाएगा।

खास है हमारी मेट्रो : ड्राइवर तो ठीक अटेंडेंट की भी जरूरत नहीं होगी इसमें

इंदौर में मेट्रो शुरू करने का सफर इतना आसान नहीं है। इसकी यात्रा करीब 2015 में शुरू हुई थी। इसे लेकर पहली बार सरकार ने योजना बनाई थी। 2 साल तक चर्चा के बाद 2017 में इंदौर और भोपाल में मेट्रो शुरू करने को लेकर कैबिनेट में मंजूरी मिली थी। राजनीतिक खींचतान के चलते 2019 में पहली बार और 2021 में दूसरी बार इंदौर मेट्रो को लेकर अलग-अलग सरकार ने शिलान्यास किया था। मार्च 2022 से काम में तेजी आई और अक्टूबर में करीब 6 किलोमीटर का ट्रायल रन हो सका। इंदौर की मेट्रो तकनीकि रूप से अन्य शहरों में पहले से चल रही ट्रेनों से एडवांस है। इंदौर मेट्रो के लिए ग्रेड ऑफ ऑटोमेशन-4 यानी जीओए-4 तकनीक का उपयोग किया गया है। ड्राइवर गाड़ी में हो या ना हो, यात्रा सुरक्षित रहेगी। अन्य शहरों में जीओए-2 व अहमदाबाद में जीओए-3 तकनीक वाली मेट्रो चल रही है, जिसमें अटेंडेंट होता है। जीओए-4 में अटेंडेंट की भी जरूरत नहीं है।

35 साल में बचेंगे 1000 करोड़ रुपए

इंदौर, हमारी मेट्रो की डिजाइन कई मायनों में देश की दूसरी मेट्रो से कुछ अलग है। इसके सिस्टम में ट्रेन पूरी तरह अनअटेंडेड ऑपरेशन मोड पर चलती है। आपात स्थिति में भी ट्रेन चालू करना और रोकना सब कुछ स्वचालित और कमांड सेंटर से नियंत्रित होता है। मेंटेनेंस के बाद डिपो से ट्रैक पर आने और वापस डिपो जाने तक इसका पूरा नियंत्रण कमांड सेंटर से ही होगा। अनुमान है ड्राइवरलेस होने से मेट्रो कंपनी 35 साल (कोच की आयु में मैन पावर और ऊर्जा मद में 800 से 1000 करोड़ रुपए की बचत कर सकेगी। भविष्य में वीडियो एनालिटिक्स और फेस वीडियो फेस रिकग्निशन टेक्निक सिस्टम भी होगा। इससे संदिग्ध, अपराधियों की पहचान हो सकेगी। ड्राइवरलेस मेट्रो के लिए सिग्नल सिस्टम अलग होगा। इसके कारण एक-दूसरे से बहुत कम अंतर से मेट्रो चलाई जाएगी। स्टेशन, कोच, पटरियों में जीपीएस, हाई रेजोल्यूशन कैमरे के लगेंगे। सभी ट्रेन आपस में इस तरह कनेक्ट होंगी कि उन्हें एक-दूसरे की पोजिशन का पता होगा। इससे वे अपनी स्पीड ऐसी रखेंगी कि एक-दूसरे के बीच निश्चित दूरी रहे।

जयपुर, अहमदाबाद और नागपुर से हम बेहतर

जयपुर में करीब नौ साल पहले ही मेट्रो आ चुकी है। 2012 में वहां मेट्रो आ गई थी। अभी 11 किमी के हिस्से में इसे चलाया जा रहा है। रोजाना 50 हजार यात्री मिलते हैं। शहर में ही चल रही है। 4 किमी का काम चल और रहा है। यहां सेकंड फेज का काम कोरोना काल में शुरू हुआ। तीसरे व चौथे फेज का शिलान्यास अभी हुआ है। अहमदाबाद में 40 किमी का मेट्रो नेटवर्क है। डेढ़ साल पहले ही कमर्शियल रन शुरू हुआ। भूमिपूजन 2015 में हुआ था। पहले चरण में कमर्शियल रन मार्च 2019 में ही शुरू हो गया था। 2 अक्टूबर 2022 को पूरे रूट पर कमर्शियल रन शुरू किया गया। फिलहाल रोजाना 70 हजार यात्री एक दिन में इसकी सवारी कर रहे हैं। नागपुर में 40 किमी में मेट्रो चल रही है। 38 में से 37 स्टेशन शुरू हो के हैं। मार्च 2019 से दिसंबर 2022 में चार चरणों में काम पूरा हुआ। अभी रोज 85 से 90 हजार यात्री सफर कर रहे। नेशनल हाईवे के समानांतर मेट्रो चलती है। नागपुर मेट्रो के अखिलेश हालवे कहते हैं, सड़कों पर गाड़ियां कम हुई हैं। रोज सफर करने वालों में 35 फीसदी छात्र हैं।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
05	Dainik Bhaskar	Indore	26.11.2023	02	मेट्रो स्टेशन के साथ मल्टीमॉडल ट्रां हब जोड़ेंगे शहर के दो छोर	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 26-11-2023

जीएसआईटीएस में हो रहे रिसर्च के आधार पर तैयार की रिपोर्ट

मेट्रो स्टेशन के साथ मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब जोड़ेंगे शहर के दो छोर

तैयारी– बीआरटीएस, मेट्रो, इंटरमिडिएट पब्लिक ट्रांसपोर्ट के बीच कनेक्टिविटी भी होगी

फायदा– आईपीटी को इनसे जोड़ते हुए हब बनेंगे तो लोगों को मिलेंगी लास्ट माइल कनेक्टिविटी

सुझाव– वर्तमान में चार स्थानों पर बनाएं तो रेलवे स्टेशन-बस स्टैंड भी जुड़ सकेंगे मेट्रो से

भास्कर संवाददाता | इंदौर

शहर की ट्रैफिक समस्या का समाधान कैसे करें, इस ज्वलंत सवाल के लिए शहर के युवा अपने शोध, प्रोजेक्ट के विषयों में प्राथमिकता के साथ अध्ययन भी कर रहे हैं। नतीजा लोगों की रोजमर्रा की आवाजाही सुगम कैसे हो? आने वाले और जाने वाले लोगों को सुविधाजनक लोक परिवहन कहां मिलें? पैदल चलने वालों को फुटपाथ खाली मिल सकें? वाहनों को पार्क करने की जगह मिलें? लोक परिवहन को लास्ट माइल कनेक्टिविटी तक कैसे उपयोगी बनाएं? जैसे सवालों के जवाब भी मिल रहे है। जीएसआईटीएस में हो रहे रिसर्च के आधार पर मेट्रो, बीआरटीएस, आइएसबीटी और इंटरमीडिएट पब्लिक ट्रांसपोर्ट को जोड़ते हुए मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब बनाने का सुझाव सरकार को दिया गया है। जिससे बाहर से आने वाले, बाहर जाने वाले और शहर में एक से दूसरे छोर तक पहुंचने के लिए लास्ट माइल कनेक्टिविटी के साथ पब्लिक ट्रांसपोर्ट मिल सकें।

इंटीग्रेटेड टर्मिनल बनाएंगे, ताकि लोगों की यात्रा पर ब्रेक न हो

विशेषज्ञों का कहना है, वर्तमान में लोक परिवहन का इंटीग्रेशन नहीं होने से लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने के लिए समय अधिक लगता है। इंटीग्रेटेड टर्मिनल नहीं होने से ब्रेक जर्नी में भी परेशानी होती है। इन मुश्किलों के कारण लोग लोक परिवहन का उपयोग कम करते हैं। मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब इस तरह की समस्याओं को दूर करेंगे। इन हब पर सभी लोक परिवहन व उपनगरीय सेवाएं उपलब्ध रहेगी।

जीएसआईटीएस सिविल विभाग के विभागाध्यक्ष संदीप नारुलकर का कहना है, शहर में सुगम लोक परिवहन, पैदल यात्रियों के फुटपाथ आदि पर अध्ययन करवा रहे है। इसी के आधार पर स्थानीय प्रशासन और सरकार को सुझाव देते हैं। यह हब विकसित हो रहे इंदौर, व्यस्ततम मध्य शहर में होने से आवासीय क्षेत्रों से व्यावसायिक क्षेत्रों तक आवाजाही को भी सुगम बनाएंगे।

इन स्थानों पर बनाने की तैयारी

विजय नगर– बीआरटीएस और एमआर-10 के जक्शंन पाईंट पर मेट्रो, बीआरटीएस और सिटी बसों की आवाजाही होती है। इन सड़कों पर आईपीटी यानी ई रिक्शा, बेन और मेजिक भी उपलब्ध है। इसके लिए वर्तमान में विजय नगर चौराहे के समीप खाली जगह को मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के तौर पर विकसित कर सकते हैं। यहां पर मेट्रो, बीआरटीएस के स्टेशन तो बन रहे हैं। उपनगरीय , सिटी बसों और आईटीपी के लिए भी यहां टर्मिनल पाईंट बना दिया जाए तो लोगों को आसानी होगी।

राजीव गांधी चौराहा - यहां पर रिंग रोड, बीआरटीएस-एबी रोड राउ-राजेन्द्र और बायपास को जोडने वाले एमआर-3 का जंक्शन है। इंदौर के बड़े आवासीय क्षेत्र के तौर पर विकसित हो रहा है। इस चौराहे के आसपास एक मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब तैयार किया जाए तो स्थानीय लोगों के साथ ही शहर के आउटर में बन रहे आईएसबीटी और बस स्टैंड से कनेक्टिविटी आसान होगी। लोग बीआरटीएस, मेट्रो का उपयोग करके विकसित हो रहे कमर्शियल एरिया में आवा-जाही कर सकेंगे। यह टर्मिनल पूर्वी और पश्चिम क्षेत्र को तेज गति के लोक परिवहन से जोड़ेंगे।

आइएसबीटी एमआर-10–यहां पर इंटर स्टेट बस टर्मिनल बन रहा है। इसे मेट्रो स्टेशन से भी जोड़ा गया है। इसके समीप से ही रेलवे लाइन गुजर रही है। यह पश्चिम रिंग रोड-एमआर-4 का भी आखिरी छोर है। यहां पर रेलवे का स्टाप बना कर, लोकल ट्रेन, यात्री बस, उपनगरीय बस, सिटी बस और आईटीपी का जक्शंन बना सकते हैं। इससे यहां से सभी इंटर स्टेट सर्विसेस की बसेस को जोड कर पूर्व व पश्चिम शहर में आवाजाही आसान की जा सकती है।

रेलवे स्टेशन-सरवटे बस स्टैंड– यह मध्य शहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां शहर का मुख्य रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड है।

मेट्रो लाइन के आसपास होगा टीओडी

मेट्रो लाइन बनने के बाद इस क्षेत्र में ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलमेंट होगा। जिससे लाइन के दोनों ओर कमर्शियल विकास तेजी से होगा। इन टर्मिनल के बनने से सुपर कॉरिडोर, एयरपोर्ट और भविष्य में बनने वाले इकानॉमिक कॉरिडोर तक आवाजाही आसान होगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
06	पीपुल्स समाचार	इं	27.11.2023	03	रेडिसन के आगे शुरू हुआ मेट्रो प्रोजेक्ट का काम	Neutral

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

न्यूज़ पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार

इंदौर सिटी Page: 3 November 27, 2023

रेडिसन के आगे शुरू हुआ मेट्रो प्रोजेक्ट का काम

पीपुल्स संवाददाता ● इंदौर
मो.नं. 9926064287

सेकंड फेज के कार्य को लेकर कॉर्पोरेशन की तैयारी

राज्य शासन के मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के प्रथम चरण का काम 80 फीसदी तक पूरा हो चुका है। शेष काम द्रुतगति से चल रहा है। फेज अंतर्गत पिछले दिनों सुपर कॉरिडोर पर डिपो से 5 किलोमीटर तक तीन कोच चलाकर ट्रॉयल रन लिया गया है। प्रथम चरण के अंतिम छोर रेडिसन चौराहा तक सेंगमेट, पीलर का काम पूरा होना है। इसी बीच मेट्रो कॉर्पोरेशन द्वारा दूसरे चरण का काम रेडिसन चौराहा से आगे शुरू किया जा रहा है। अब मेट्रो ट्रैक धीरे-धीरे पूर्वी रिंगरोड की दिशा में भी कदम बढ़ा रहा है। विजयनगर की ओर से रेडिसन चौराहे तक पहुंचने के बाद ट्रैक रिंगरोड की ओर मुड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। रेडिसन चौराहे पर यह ट्रैक अर्द्धचंद्राकार होकर 90 डिग्री टर्न लेगा और रोबोट चौराहे की ओर मुड़ जाएगा। फर्स्ट फेज में अभी रोबोट चौराहे पर बन रहे मेट्रो स्टेशन तक ही मेट्रो ट्रेन पहुंचेगी। सेकंड फेज में रोबोट चौराहे से बंगाली चौराहा होते हुए पलासिया की ओर ट्रैक बनाया जाएगा। हालांकि वर्तमान में चल रहा ट्रैक बनाने का काम काफी धीमी गति से चल रहा है। अब ट्रॉयल रन के समय चल रहे काम जैसी फुर्ती नहीं दिखाई दे रही है। अब तक बने ट्रैक पर एक ही स्टेशन तैयार हुआ है, जबकि मेट्रो ट्रेन कॉर्पोरेशन के अधिकारियों का कहना है कि अगले साल मार्च तक ट्रॉयल रूट पर कमर्शियल रन प्रारंभ कर देंगे। फिलहाल गांधीनगर से लवकुश चौराहे तक पियर्स लग चुके हैं। स्टेशन का काम चल रहा है। लवकुश चौराहे से एमआर-10 चौराहा तक अभी पियर्स नहीं लगे हैं।